एम.ए. राजस्थानी 2022–23

एम.ए. राजस्थानी के पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध में कुल 09 प्रश्न पत्र होंगे, जिनमें चार प्रश्न पत्र पूर्वार्द्ध में और पांच प्रश्न पत्र उत्तरार्द्ध में होंगे । सभी प्रश्न पत्र 100 अंकों के होंगे। प्रश्न पत्रों की समयावधि 3 घंटे होगी ।

नोटः– समस्त प्रश्न पत्रों के उत्तर का माध्यम राजस्थानी भाषा होगा ।

एम.ए. पूर्वाद्ध–2022–23

प्रथम प्रश्न पत्र	:	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
द्वितीय प्रश्न पत्र	:	प्राचीन एवं मध्यकालीन गद्य
तृतीय प्रश्न पत्र	:	राजस्थानी भाषा एवं साहित्य का इतिहास
चतुर्थ प्रश्न पत्र	:	राजस्थानी लोक साहित्य,संस्कृति एवं संत साहित्य

एम.ए. उत्तरार्द्ध–2023–24

प्रथम प्रश्न पत्र	:	आधुनिक राजस्थानी काव्य
द्वितीय प्रश्न पत्र	:	आधुनिक राजस्थानी गद्य
तृतीय प्रश्न पत्र	:	काव्यशास्त्र एवं पाठालोचन
चतुर्थ प्रश्न पत्र	:	विशिष्ट साहित्यकार–ईसरदास, मीरां बाई, जनकवि गणेशलाल व्यास "उस्ताद" भक्तिमति समान बाई(कोई एक विकल्प)
पंचम प्रश्न पत्र	:	निबंध/लघुशोध प्रबंध/पाठ–सम्पादन (कोई एक विकल्प)

एम.ए. पूर्वार्द्ध 2022–23

प्रथम प्रश्न पत्र : प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

नोट : इस प्रश्न पत्र में 3 खण्ड निम्न प्रकार होंगे –

खण्ड अ : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 लघुत्तरात्मक प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघुत्तरात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 50 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक होंगे।

2 x 10 = 20

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न लेते हुए कुल 7 प्रश्न होंगे जिनमें से 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक होगा।

8 x 5 = 40

खण्ड स : इस खण्ड में 4 प्रश्न वर्णात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते हैं) जो सभी इकाईयों में से दिए जाएंगे, किन्तु एक इकाई में से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा। जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। 20 x 2 = 40

अध्ययन क्षेत्र

1. प्राचीन राजस्थानी काव्य परंपरा का अध्ययन।
2. मध्यकालीन राजस्थानी काव्य परंपरा का अध्ययन।
3. भक्ति परक रचनाओं एवं रचनाकारों का विशिष्ट अध्ययन ।
4. प्राचीन रचनाओं एवं वीर रसात्मक रचनाओं का विशिष्ट अध्ययन ।

पाठ्यपुस्तकें

रणमल्ल छंद	: श्रीधर व्यास,
वेली क्रिसण रुकमणी री	: पृथ्वीराज राठौड़
हालांझालां रा कुण्डलिया	: ईसरदास
ढोला मारू रा दूहा	: सं. त्रय ठा. रामसिंह, नरोत्तमदास स्वामी, सूर्यकरण पारीक

प्रथम इकाई

प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी काव्य परंपरा का अध्ययन।

द्वितीय इकाई

रणमल्ल छंद से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

तृतीय इकाई

वेलि क्रिसण रुकमणी से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

चतुर्थ इकाई

हालांझालां रा कुण्डलिया से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

पंचम इकाई

ढोला मारू रा दूहा से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

पाठ्यपुस्तकें

1. रणमल्ल छंद : (सं.) मूलचन्द प्राणेश, भारतीय विद्या मंदिर शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर।
2. वेलि क्रिसण रुकमणी री : (सं.) नरोत्तम दास स्वामी, श्रीराम मेहरा एण्ड संस, आगरा।
3. हालांझालां रा कुण्डलिया : डॉ. मोतीलाल मेनारिया, द्विवेदी पुस्तक भण्डार, उदयपुर।
4. ढोला मारू रा दूहा – सं. त्रय ठा. रामसिंह, नरोत्तमदास स्वामी, सूर्यकरण पारीक।

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

1. प्राचीन काव्य रूपों की परम्परा : अगरचन्द नाहटा, भारतीय विद्या मंदिर शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर
2. वेलि क्रिसण रुकमणी री : आनन्द प्रसाद दीक्षित
3. वेलि क्रिसण रुकमणी री : डॉ. पुरुषोत्तम आसोपा, बीकानेर
4. राजस्थानी की श्रेष्ठ कृतियां : माधोसिंह इन्दा
5. कीरत रा बखाण : डॉ. नमामीशंकर आचार्य, बीकानेर

द्वितीय प्रश्न पत्र : प्राचीन एवं मध्यकालीन गद्य

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

नोट : इस प्रश्न पत्र में 3 खण्ड निम्न प्रकार होंगे –

खण्ड अ : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 लघुत्तरात्मक प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघुत्तरात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 50 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक होंगे।

2 x 10 = 20

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न लेते हुए कुल 7 प्रश्न होंगे जिनमें से 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक होगा।

8 x 5 = 40

खण्ड स : इस खण्ड में 4 प्रश्न वर्णात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते हैं) जो सभी इकाईयों में से दिए जाएंगे, किन्तु एक इकाई में से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा। जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। 20 x 2 = 40

अध्ययन क्षेत्र

1. प्राचीन राजस्थानी गद्य परंपरा का अध्ययन।
2. मध्यकालीन राजस्थानी गद्य परंपरा का अध्ययन।
3. वचनिका परम्परा का अध्ययन।
4. राजस्थानी वात परम्परा का अध्ययन।
5. राजस्थानी वात परम्परा की समृद्ध एवं विस्तृत रचनाओं का अध्ययन।

प्रथम इकाई

1. प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी गद्य परंपरा का अध्ययन।

द्वितीय इकाई

अचलदास खींची री वचनिका से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

तृतीय इकाई

राजस्थानीसाहित्य संग्रह भाग – 1 से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

चतुर्थ इकाई

कुंवरसी सांखलो : मनोहर शर्मा से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

पंचम इकाई

जगदेव पंवार री बात : महावीर सिंह गहलोत से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

पाठ्यपुस्तकें

1. अचलदास खींची री वचनिका : (सं.) भूपतिराम साकरिया, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
2. राजस्थानी साहित्य संग्रह भाग – 1 (सं.) डॉ. नरोत्तमदास स्वामी, राजस्थानी प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर ।
3. कुंवरसी सांखलो : (सं.) डॉ. मनोहर शर्मा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
4. जगदेव पंवार री बात : (सं.) डॉ. महावीर सिंह गहलोत, राजस्थान साहित्य मंदिर, जोधपुर ।

तृतीय प्रश्न पत्रः राजस्थानी भाषा एवं साहित्य का इतिहास

समयः 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

नोट : इस प्रश्न पत्र में 3 खण्ड निम्न प्रकार होंगे –

खण्ड अ : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 लघुत्तरात्मक प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघुत्तरात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 50 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक होंगे।

2 x 10 = 20

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न लेते हुए कुल 7 प्रश्न होंगे जिनमें से 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक होगा।

8 x 5 = 40

खण्ड स : इस खण्ड में 4 प्रश्न वर्णात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते हैं) जो सभी इकाईयों में से दिए जाएंगे, किन्तु एक इकाई में से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा। जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। 20 x 2 = 40

अध्ययन क्षेत्र

1. भाषा : भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा के अंग, भाषा के विकास के कारण।
2. लिपि : लिपि और भाषा का सम्बन्ध, लिपि का विकास, मुडिया लिपि का सामान्य परिचय।
3. राजस्थानी भाषा का उद्‌भव और विकास परम्परा का सामान्य परिचय बोलियां, उप बोलियां, डिंगल–पिंगल की सामान्य विशेषताएं, राजस्थानी भाषा की व्याकरणिक विशेषताएं।
4. राजस्थानी साहित्य की युगीन परंपरा का अध्ययनः कालक्रम के अनुसार एवं काव्य परंपरा – धाराओं के अनुसार ।
5. प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य का इतिहास।
6. आधुनिक राजस्थानी काव्य का इतिहास।
7. आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य एवं ग़द्य विधाएं।

नोट : इस प्रश्न पत्र हेतु पाठ्यसामग्री अभिप्रस्तावित ग्रन्थों से मिलेगी।

प्रथम इकाई

भाषा एवं लिपि का सामान्य सिद्धान्त का अध्ययन।

द्वितीय इकाई

राजस्थानी भाषा : उद्‌भव एवं विकास का अध्ययन।

तृतीय इकाई

राजस्थानी साहित्य का प्राचीनकाल : युगीन परिवेश प्रवृतियां, रचनाएं एवं रचनाकार।

चतुर्थ इकाई

राजस्थानी साहित्य का मध्यकाल : युगीन परिवेश प्रवृतियां, रचनाएं एवं रचनाकार।

पंचम इकाई

राजस्थानी साहित्य का आधुनिककाल : विकास परम्परा एवं आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य का इतिहास एवं गद्य विधाएं।

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी, किताब महल, दिल्ली ।
राजस्थानी भाषा : डॉ. सुनीतिकुमार चाटुर्ज्या : साहित्य संस्थान, उदयपुर ।
पुरानी राजस्थानी : एल. पी. टैस्सीटोरी (अनु.) डॉ. नामवर सिंह
राजस्थानी भाषा सर्वेक्षण : जार्ज ए. ग्रियर्सन (अनु.) आत्माराम जाजोदिया
प्रकाशक : राजस्थानी भाषा प्रचार सभा, जयपुर ।
राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. मोतीलाल मेनारिया
राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. कल्याण सिंह शेखावत
राजस्थानी भाषा–एक परिचय : नरोत्तमदास स्वामी
राजस्थानीसबद कोस (प्रथम खण्ड) सं. सीतारांम लालस
प्रकाशकः राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर
डिंगल साहित्य : डॉ. गोवर्द्धन शर्मा
हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
प्राचीन भारतीय लिपिमाला : गौरीशंकर हीराचन्द ओझा
राजस्थानी व्याकरण : नरोत्तमदास स्वामी
मारवाड़ी व्याकरण : रामकरण आसोपा
राजस्थानी व्याकरण : सीताराम लालस

चतुर्थ प्रश्न पत्रः राजस्थानी लोक साहित्य, संस्कृति एवं संत साहित्य

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

नोट : इस प्रश्न पत्र में 3 खण्ड निम्न प्रकार होंगे –

खण्ड अ : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 लघुत्तरात्मक प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघुत्तरात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 50 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक होंगे।

2 x 10 = 20

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न लेते हुए कुल 7 प्रश्न होंगे जिनमें से 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक होगा।

8 x 5 = 40

खण्ड स : इस खण्ड में 4 प्रश्न वर्णात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते हैं) जो सभी इकाईयों में से दिए जाएंगे, किन्तु एक इकाई में से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा। जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। 20 x 2 = 40

अध्ययन क्षेत्र

1. लोक साहित्य के संदर्भ में लोक का अर्थ, परिभाषा, तत्त्व, लोकमानस का स्वरूप एवं विशेषताएं।
2. लोक साहित्य का सामान्य परिचय एवं विधाओं के अनुसार वर्गीकरण ।
3. राजस्थानी लोक साहित्य का अध्ययन एवं वर्गीकरण ।
4. राजस्थानी लोककथा, लोकगीत एवं लोकगाथा का विशिष्ट अध्ययन ।
5. राजस्थानी लोकदेवी–देवताओं का परिचय ।
6. राजस्थान के प्रमुख संतों एवं संत सम्प्रदायों का परिचय

नोटः– इस प्रश्न पत्र हेतु विषय सामग्री अभिप्रस्तावित ग्रंथों से प्राप्त होगी ।

प्रथम इकाई

लोक साहित्य : लोक एवं लोकमानस : परिचय, परिभाषा, लोकतत्त्व आदि का अध्ययन।

द्वितीय इकाई

लोक साहित्य : सामान्य परिचय एवं वर्गीकरण का अध्ययन।

तृतीय इकाई

लोककथा, लोकगीत, लोकगाथा का अध्ययन।

चतुर्थ इकाई

राजस्थानी लोकदेवी–देवता का अध्ययन।

पंचम इकाई

राजस्थानी संत एवं संत सम्प्रदायों का सामान्य अध्ययन।

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

राजस्थानीलोक साहित्य का सैद्धांतिक विवेचन	: डॉ. सोहनदान चारण
राजस्थानी लोक नाट्य परम्परा एवं प्रवृत्तियां	: डॉ. महेन्द्र भानावत
लोक साहित्य विज्ञान	: डॉ. सत्येन्द्र
लोक साहित्य की भूमिका	: डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
भारतीय लोक वाङ्गमय	: श्याम परमार
लोक धर्म	: वासुदेवशरण अग्रवाल
लोक साहित्य (व्याख्यान)	: झवेरचन्द मेघानी
राजस्थानी लोक साहित्य	: नानूराम संस्कर्ता
तेजाजी	: डॉ. कन्हैयालाल सहल
तेजाजी	: डॉ. महेन्द्र भानावत
मध्यकालीन भारतीय संस्कृति	: गौरीशंकर हीराचन्द ओझा
नाथ सम्प्रदाय	: डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी

एम.ए. उत्तरार्द्ध 2023–24

प्रथम प्रश्न पत्र : आधुनिक राजस्थानी काव्य

समयः 3 घंटे **पूर्णांकः 100**

नोट : इस प्रश्न पत्र में 3 खण्ड निम्न प्रकार होंगे –

खण्ड अ : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 लघुत्तरात्मक प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघुत्तरात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 50 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक होंगे।

2 x 10 = 20

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न लेते हुए कुल 7 प्रश्न होंगे जिनमें से 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक होगा।

8 x 5 = 40

खण्ड स : इस खण्ड में 4 प्रश्न वर्णात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते हैं) जो सभी इकाईयों में से दिए जाएंगे, किन्तु एक इकाई में से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा। जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। 20 x 2 = 40

अध्ययन क्षेत्र

1. आधुनिक राजस्थानी काव्य परम्परा का अध्ययन।
2. आधुनिक काल की प्रारंभिक महत्त्वपूर्ण रचनाओं का विस्तृत अध्ययन।
3. भाव, भाषा एवं शिल्प के बदलते स्वरूप के आधार पर आधुनिक रचनाओं का आलोचनात्मक अध्ययन ।

पाठ्यपुस्तकें

1. वीर सतसई : सूर्यमल्ल मीसण
2. बादळी : चन्द्र सिंह
3. राधा : सत्यप्रकाश जोशी
4. लीलटांस : कन्हैयालाल सेठिया

प्रथम इकाई

आधुनिक राजस्थानी काव्य परम्परा का अध्ययन।

द्वितीय इकाई

वीर सतसई : सूर्यमल्ल मीसण व्यक्तित्व, कृतित्व एवं व्याख्या और आलोचनात्मक अध्ययन।

तृतीय इकाई

बादळी : चन्द्रसिंह व्यक्तित्व, कृतित्व एवं व्याख्या और आलोचनात्मक अध्ययन।

चतुर्थ इकाई

राधा : सत्यप्रकाश जोशी व्यक्तित्व, कृतित्व एवं व्याख्या और आलोचनात्मक अध्ययन।

पंचम इकाई

लीलटांस : कन्हैयालाल सेठिया व्यक्तित्व, कृतित्व एवं व्याख्या और आलोचनात्मक अध्ययन।

पाठ्यपुस्तकें

1. वीर सतसई : सूर्यमल्ल मीसण, सं. पतराम गौड़, ईश्वरदान आशिया, कन्हैयालाल सहल, प्रकाशक : बंगाल हिन्दी मण्डल ।
2. बादळी : चन्द्रसिंह, चांद जलेरी प्रकाशन, जयपुर ।
3. राधा : सत्यप्रकाश जोशी, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर ।
4. लीलटांस : कन्हैयालाल सेठिया, कलकत्ता ।

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

1. परम्परा : सूर्यमल्ल मीसण विशेषांक तथा हेमांणी अंक ।
   प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर ।
2. राजस्थानी की श्रेष्ठ कृतियां : माधोसिंह इंदा ।
3. वीरसतसई : डॉ. शंभुसिंह मनोहर, स्टूडेन्ट्स बुक कम्पनी, चौड़ा रास्ता, जयपुर

द्वितीय प्रश्न पत्र : आधुनिक राजस्थानी गद्य

समयः 3 घंटे **पूर्णांकः 100**

नोट : इस प्रश्न पत्र में 3 खण्ड निम्न प्रकार होंगे –

खण्ड अ : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 लघुत्तरात्मक प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघुत्तरात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 50 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक होंगे।

2 x 10 = 20

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न लेते हुए कुल 7 प्रश्न होंगे जिनमें से 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक होगा।

8 x 5 = 40

खण्ड स : इस खण्ड में 4 प्रश्न वर्णात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते हैं) जो सभी इकाईयों में से दिए जाएंगे, किन्तु एक इकाई में से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा। जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। 20 x 2 = 40

अध्ययन क्षेत्र

1. आधुनिक राजस्थानी गद्य परम्परा का अध्ययन।
2. आधुनिक गद्य विधाओं में निबंध, नाटक, उपन्यास, कहानी, रेखाचित्र एवं आदि साहित्य का विशिष्ट अध्ययन।

पाठ्यपुस्तकें

1. बुगचो : मूलदान देपावत
2. तास रो घर : यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र'आज री राजस्थानी कहानियों : रावत सारस्वत : प्रेमजी 'प्रेम'
4. मेवै रा रूंख ? : अन्नाराम सुदामा

प्रथम इकाई

आधुनिक राजस्थानी गद्य परम्परा एवं गद्य विधाओं का अध्ययन।

द्वितीय इकाई

बुगचो : मूलदान देपावत से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

तृतीय इकाई

तास रो घर : यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र' से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

चतुर्थ इकाई

आज री राजस्थानी कहाणियां : रावत सारस्वत से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

पंचम इकाई

मेवै रा रूंख ?: अन्नाराम सुदामा से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

पाठ्यपुस्तकें

1. बुगचो : सांखला प्रिन्टर्स, बीकानेर
2. आज री राजस्थानी कहाणियां : रावत सारस्वत, प्रेमजी 'प्रेम' साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली। (पाठ्यक्रम में (कहानी सं.) 3, 4, 10, 12, 15, 16, 18, 22, 23, 24, 27, 28)

   कहानियां – मास्टरजी, 4. गीतां रो बावळियो, 10. भारत भाग्यविधाता, 12. खजानो, 15, तगादो, 16. करड़ी आंच, 18. बरसगांठ, 22. संजीवण, 23. रजपूताणी, 24. अलेखूं हिटलर, 27.अमर मिनख, 28.सुकड़ीजता आंगणा)
3. तास रो घर : यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र'
4. मेवै रा रूंख ? : अन्नाराम सुदामा ।

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

1. आधुनिक राजस्थानी साहित्य प्रेरणा, स्त्रोत और प्रवृत्तिया : डॉ. किरण नाहटा,
   प्रकाशक : चिन्मय प्रकाशन, जयपुर
2. मेवै रा रूंख ? : अन्नाराम सुदामा ।
3. पोथी दर पोथी : डॉ. किरण नाहटा ।

तृतीय प्रश्न पत्रः काव्यशास्त्र एवं पाठालोचन

समयः 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

नोट : इस प्रश्न पत्र में 3 खण्ड निम्न प्रकार होंगे –

खण्ड अ : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 लघुत्तरात्मक प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघुत्तरात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 50 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक होंगे।

2 x 10 = 20

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न लेते हुए कुल 7 प्रश्न होंगे जिनमें से 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक होगा।

8 x 5 = 40

खण्ड स : इस खण्ड में 4 प्रश्न वर्णात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते हैं) जो सभी इकाईयों में से दिए जाएंगे, किन्तु एक इकाई में से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा। जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। 20 x 2 = 40

अध्ययन क्षेत्र

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्रीय सिद्धान्तों का अध्ययन।
2. विभिन्न काव्यरूपों का अध्ययन।
3. राजस्थानी काव्यशास्त्र और छन्दशास्त्र का अध्ययन।
4. पाठालोचन के सिद्धान्त एवं पाठसम्पादन की प्रक्रिया का अध्ययन।

नोटः–इस प्रश्न पत्र हेतु पाठ्यसामग्री अभिप्रस्तावित ग्रंथों से प्राप्त की जा सकेगी।

इकाई 1

साहित्य का स्वरूप तथा विवेचन, भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि से साहित्य के तत्त्व, काव्य की मूल प्रेरणा और प्रयोजन।

इकाई 2

रस सिद्धान्त : रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, अलंकार सम्प्रदाय, वक्रोत्ति सिद्धान्त (स्वरूप और भेद) ध्वनि सिद्धान्त (ध्वनि का अर्थ और भेद)

इकाई 3

अरस्तू के काव्य सिद्धान्त (अनुकृति सिद्धान्त, विरेचन सिद्धान्त एवं काव्यरूपों का विवेचन), क्रोचे का अभिव्यंजनावाद, आई. ए. रिचर्ड्स के काव्य सिद्धान्त (मूलसिद्धान्त)

इकाई 4

राजस्थानी छन्दशास्त्र का परिचय, अलंकार, काव्य–दोष

इकाई 5

पाठालोचन की परिभाषा, स्वरूप और सिद्धान्त

अभिप्रस्तावित ग्रन्थ

1.	रस मीमांसा	:	रामचन्द्र शुक्ल
2.	भारतीय साहित्य शास्त्र	:	डॉ. मिथलेश तथा विमलेश कान्ति
3.	साहित्य शास्त्र री ओळखाण	:	डॉ.गौरी शंकर प्रजापत
4.	काव्यशास्त्र एक भारतीय दीठ	:	डॉ. वेंकट शर्मा
5.	समीक्षा सिद्धान्त	:	डॉ. राम प्रकाश
6.	सीरजण री साख	:	डॉ. मदन सैनी
7.	भारतीय पाठालोचन की भूमिका	:	डॉ. एस. एस. कत्रे
8.	रघुवर जस प्रकास	:	किसना आढा प्रकाशक : राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर
9.	राजस्थानी साहित्य मीमांसा	:	डॉ. माधेसिंह इंदा

चतुर्थ प्रश्न पत्र : विशिष्ट साहित्यकार

समयः 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

नोट : इस प्रश्न पत्र में 3 खण्ड निम्न प्रकार होंगे –

खण्ड अ : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 लघुत्तरात्मक प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघुत्तरात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 50 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक होंगे।

2 x 10 = 20

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न लेते हुए कुल 7 प्रश्न होंगे जिनमें से 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक होगा।

8 x 5 = 40

खण्ड स : इस खण्ड में 4 प्रश्न वर्णात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते हैं) जो सभी इकाईयों में से दिए जाएंगे, किन्तु एक इकाई में से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा। जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न

का उत्तर 500 शब्दों में होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। 20 x 2 = 40

अध्ययन क्षेत्र

विशिष्ट साहित्यकार के अध्ययन के संबध में चारों साहित्यकारों के व्यक्तित्व और कृतित्व को अध्ययन का आधार बनाया गया है। विद्यार्थी इन चारों में से एक साहित्यकार का चयन करेंगे–

1. ईसरदास 2. मीरां बाई 3. जनकवि गणेशलाल व्यास ''उस्ताद'' 4. भक्तिमति समान बाई

पाठ्यपुस्तकें

प्रत्येक साहित्यकार के लिये निम्नाकिंत पाठ्यपुस्तकों का निर्धारण किया गया है, जिनमें से एक का अध्ययन करना होगा।

1. हरिरस : ईसरदास (कुल 1से 50 पद केवल व्याख्या हेतु)
2. मीरां पदावली– सं. शम्भूसिंह मनोहर (पद सं. 1 से 101 तक)
3. जनकवि उस्ताद : सं. रावत सारस्वत, रामेश्वर दयाल श्रीमाली : प्रकाशक – राजस्थान भाषा प्रचार सभा, जयपुर।
4. भक्तिमति समान बाई जीवन और काव्य : सं. मंजुला बारैठ (व्याख्या – कृष्ण भक्ति पद एवं वैवाहिक गीतों में से पूछी जाएगी)

हरिरस : ईसरदास

1. हरिरस : ईसरदास (कुल 1से 50 पद केवल व्याख्या हेतु)

इकाई – 1

ईसरदास बारहठ का जीवन परिचय एवं चरित्र का अध्ययन।

इकाई – 2

ईसरदास बारहठ की रचना प्रक्रिया, कृतित्व एवं सृजन का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

इकाई–3

ईसरा परमेसरा के हरिरस का व्याख्या परक अध्ययन।

इकाई–4

हरिदास का आलोचनात्मक अध्ययन।

इकाई–5

भक्तवर ईसरदास की अन्य रचनाओं का आलोचनात्मक अध्ययन।

मीरा मुक्तावली
(व्याख्या 1 से 101 तक पदों में से पूछी जाएगी।)

इकाई–1

जीवन परिचय एवं व्यक्तित्व का अध्ययन।

इकाई–2

सामाजिक, राजनैतिक एवं साहित्यिक परिस्थितियों का अध्ययन।

इकाई–3

मीरां की भक्ति भावना एवं कृष्ण भक्ति काव्य का समालोचनात्मक अध्ययन।

इकाई–4

मीरा पदावली के पदों का भाव परक अध्ययन।

इकाई–5

मीरां पदावली के पदों का आलोचनात्मक अध्ययन।

गणेशलाल व्यास उत्साद

इकाई–1

गणेशलाल व्यास ''उस्ताद'' का जीवन परिचय एवं व्यक्तित्व का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

इकाई–2

''उस्ताद'' के समकालीन परिस्थितियों का अध्ययन।

इकाई–3

उस्ताद का जन कवि रूप (राष्ट्रभावना, राष्ट्रप्रेम, शोषण के विरूद्ध काव्यद्ध

इकाई–4

जनजागरण एवं जन चेतना के काव्य का अध्ययन (कृषक एवं मजदूर व नारी का काव्य)।

इकाई–5

आजादी के पश्चात की काव्य रचनाओं का अध्ययन एवं प्रगतिशील विचारधारा का अध्ययन।

भक्तिमति समान बाई (व्याख्या – कृष्ण भक्ति पद एवं वैवाहिक गीतों में से पूछी जाएगी)

इकाई –1

जीवन परिचय एवं वक्तित्व का अध्ययन।

इकाई –2

सामाजिक राजनैतिक एवं साहित्यिक परिस्थितियों का अध्ययन

इकाई –3

समान बाई की भक्ति भावना एवं कृष्ण काव्य का आलोचनात्मक अध्ययन।

इकाई – 4

भक्ति कवयित्री समान बाई के वैवाहिक गीतों का समालोचनात्मक अध्ययन।

इकाई –5

भक्त कवयित्री समान बाई के समग्र पदों का आलोचनात्मक अध्ययन।

अभिप्रस्तावित ग्रन्थ

1. कलम रो उस्ताद : विजयदांन देथा
2. मीरां मुक्तावली : सं. नरोत्तमदास स्वामी
3. गणेशलाल व्यास ''उस्ताद'' : (विनिबंध)
4. मीरां बृहद्पदावली : स्व. हरिनारायण पुरोहित
5. ईसरदास बाहरठ : (विनिबंध) प्रकाशक साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

6.भक्तिमति समान बाई जीवन और काव्य : सं. मंजुला बारैठ ,कमला प्रका**शान** बी–1 सांई विला सुद**र्शन**ा नगर ,बीकानेर।

पंचम प्रश्न पत्र : निबंध / लघुशोध / पाठ सम्पादन

समयः 3 घंटे **पूर्णकः 100**

निबंध

निर्देश (1)– इस प्रश्न में दस में से किसी एक साहित्यिक विषय पर निबंध लिखना होगा।

निर्देश (2)– यह निबंध राजस्थानी भाषा में ही लिखना होगा।

अथवा

लघुशोध प्रबंध

लधुशोध प्रबंध लिखने की अनुमति उसी नियमित विद्यार्थी को दी जाएगी, जिसने एम ए. पूर्वार्द्ध परीक्षा में 55 प्रतिशत अथवा अधिक अंक प्राप्त किये हों ।

लघुशोध प्रबंध हेतु विद्यार्थी को टंकित 100 पृष्ठों में लघुशोध प्रस्तुत करना होगा। इस शोध प्रबंध का माध्यम भी राजस्थानी ही होगा। लघु शोध प्रबंध किसी प्राध्यापक के निर्देशन में तैयार किया जाएगा, जिसके लिये एक विषय निर्धारित किया जाएगा, जो राजस्थानी साहित्य से संबधित होना चाहिये।

अथवा

पाठ सम्पादन

इस प्रश्न पत्र को वे ही नियमित छात्र दे सकेंगे, जिनके 60 प्रतिशत अथवा अधिक अंक होंगे। पाठ सम्पादन कार्य हेतु विषय निर्धारण एवं मार्गदर्शन हेतु महाविद्यालय के राजस्थानी प्राध्यापक के मार्गदर्शन में ही कार्य करना होगा। पाठ सम्पादन हेतु वही हस्तलिखित ग्रन्थ स्वीकृत होगा, जिसके कम से कम 20 पष्ठ हों तथा हस्तलिखित दो प्रतियां उपलब्ध हों। सम्पादन की पुष्टि के लिये हस्तलिखित प्रतियों के कुछ पृष्ठों की फोटो प्रति भी सम्पादन के साथ संलग्न किया जाना आवश्यक होगा। सम्पादन का कार्य राजस्थानी में ही किया जाना है।